गजानंद जी ने सोवे दो नारी गणेश वंदना लिरिक्स

गजानंद जी ने सोवे दो नारी,
दो नारी ज्यारी शोभा भारी।bd।

एक नारी ज्यारे सेज बिछावें जी,
दूजी नारी पगल्या दाबण वाली,
गजानन्द जी ने सोवे दो नारी।bd।

एक नारी ज्यारे भोजन बनावे जी,
दूजी नारी वो परोसण वाली,
गजानन्द जी ने सोवे दो नारी।bd।

रनत भँवर गढ़ आप बिराजो जी,
रिद्धि सिद्धि री महिमा है भारी,
गजानन्द जी ने सोवे दो नारी।bd।

तान सेन गणपति ने मनावे जी,
चरण कमल जाउ बलियारी,
गजानन्द जी ने सोवे दो नारी।bd।

गजानंद जी ने सोवे दो नारी,
दो नारी ज्यारी शोभा भारी।bd।

भजन गायक – चम्पा लाल प्रजापति।
(मालासेरी डुंगरी) 89479-15979

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com